शोध साहित्य SHODH SAHITYA
INTERNATIONAL PEER REVIEWED E-RESEARCH JOURNAL
(समसामयिक विषयों पर केंद्रित बहुविषयक मासिक ई-शोध पत्रिका)
E-ISSN 2584-2447
Impact Factor – SJIF 2024 = 3.621

Year -1
Vol -9
July
2024

जबलपुर के उच्चतर माध्यमिक स्तर के किशोरों के व्यक्तित्व पर उपलब्धि अभिप्रेरणा के प्रभाव का अध्ययन

श्रीमति रानी कुशवाहा, शोधार्थी
रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय, जबलपुर (मप्र)

डॉ. (श्रीमति) गीता गुलाटी, शोध पर्यवेक्षक
सह प्राध्यापक, माता गुजरी कॉलेज, जबलपुर (मप्र)

शोध सारांश

किशोरों के व्यक्तित्व पर उनकी उपलब्धि अभिप्रेरणा का सार्थक प्रभाव पड़ता है। यह प्रभाव ग्रामीण क्षेत्रों के विद्यार्थियों के बजाय शहरी क्षेत्र के विद्यार्थियों में ज्यादा सार्थक होता है। इसके अलावा उपलब्धि अभिप्रेरणा परिवार और आस-पड़ोंस के वातावरण पर भी निर्भर करती है। यानि जिन बच्चों की अपनी इच्छा और लगन के द्वारा किये गये कार्यों के बाद परिजन उनको प्रोत्साहित करते है, उनकी उपलब्धि अभिप्रेरणा उच्च होती है। प्रस्तुत शोध अध्ययन में उच्चतर माध्यमिक स्तर में अध्ययनरत किशोरों के व्यक्तित्व पर उनकी उपलब्धि अभिप्रेरणा का अध्ययन किया गया है। अध्ययन जबलपुर शहर के उच्चतर माध्यमिक स्तर के यादिच्छक रूप से चयनित विद्यार्थियों के बीच में किया गया है। अध्ययन के दौरान व्यक्तित्व के मापन के लिये डॉ महेश भार्गव के द्वारा निर्मित मापनी और उपलब्धि अभिप्रेरणा के मापन के लिये डॉ बी.पी. भार्गव के द्वारा निर्मित मापनी का प्रयोग किया गया है। इन मापनी के उपयोग के बबाद संकलित किये गये प्राथमिक ऑकड़ों का वर्गीकरण, सारणीयन और फिर सांख्यकीय विधियों से विश्लेषित किया गया। विश्लेषण से प्राप्त निष्कर्ष में पाया गया कि उच्चतर माध्यमिक स्तर में अध्ययनरत किशोरों के व्यक्तित्व पर उनकी उपलब्धि अभिप्रेरणा पर सार्थक प्रभाव पड़ता है।

कुंजी शब्द

वातावरण, व्यक्तित्व, उपलब्धि अभिप्रेरणा, किशोरो, उच्चतर माध्यमिक स्तर आदि।

प्रस्तावना

उपलब्धि अभिप्रेरणा एक प्रमुख सामान्य सामाजिक अभिप्रेरक है। इसका तात्पर्य एक ऐसे अभिप्रेरक से होता है, जिससे प्रेरित होकर व्यक्ति अपने कार्य को इस ढंग से करता है कि उसे अधिक से अधिक सफलता प्राप्त हो सके। उपलब्धि अभिप्रेरणा किसी उद्देश्य की प्राप्ति के लिये व्यवहार उत्पन्न करके उसे निश्चित दिशा प्रदान करती है, तथा लक्ष्य प्राप्त होने तक उसे बनाये रखती है। अभिप्रेरणा एक लेटिन शब्द है, जिसका अर्थ है चलाना, गति, आगे बढ़ाना आदि। यह किसी निर्धारित उद्देश्य की ओर गति करती है।

अभिप्रेरणा को एक शक्ति कहा जा सकता है, जो सीखने वाले के व्यवहार को अर्जित करती है। मनोवैज्ञानिकों ने व्यक्तियों में पाई जाने वाले उपलब्धि अभिप्रेरक सम्बन्धी व्यक्तिगत विभिन्नता के कई कारण बतलाये है, क्योंकि उपलब्धि अभिप्रेरक किसी समाज विशेष के सभी सदस्यों में एक समान नहीं होता है। किसी सदस्य में यह अभिप्रेरक अधिक तो किसी में कम होता है। जिन व्यक्तियों में उपलले अभिप्रेरक अधिक होता है. वे सफलता के उच्चतम् स्तर पर पहुँचने का प्रयास करते है। इसी विभिन्नता के लिये मनोवैज्ञानिकों ने कई कारण बतलाये है जिसमें एक प्रमुख कारक माता-पिता द्वारा बचपन में दिया गया स्वतंत्रता प्रशिक्षण है। स्वतंत्रता प्रशिक्षण से तात्पर्य बच्चों को माता-पिता द्वारा स्वतंत्र रूप से भिन्न-भिन्न कार्यों को करने देने से है। कुछ माता-पिता ऐसे होते हैं जो बच्चों को काफी छोटा समझकर उन्हें कई कार्य नहीं करने देते। परन्तु कुछ माता-पिता अपने बच्चों को प्रत्येक कार्य स्वयं ही करने की पूर्ण स्वतंत्रता देते है तथा कार्य पूर्ण करने में भिन्न-भिन्न तरह के प्रोत्साहन भी देते है। इस प्रकार पहले तरह के बच्चों की तुलना में दूसरी तरह के बच्चों को स्वतंत्रता प्रशिक्षण का अनुभव प्राप्त हो पाता है, जिससे कि वयस्क होने पर उनमें उपलब्धि अभिप्रेरणा भी अधिक होना पाया गया है। जीवन में सफलता प्राप्त करने की दृष्टि से उपलब्धि अभिप्रेरणा को महत्वपूर्ण माना गया है।

यह एक अर्जित अभिप्रेरक है। जिसका सम्बन्ध जीवन में आगे बढ़ने की इच्छा के साथ है। जो व्यक्ति को उसे विभिन्न कार्य क्षेत्रों में सफलता प्राप्त करने में सहायता देती है। अभिप्रेरणा एक क्रिया विधि है, जो व्यक्ति को कार्य करने हेतु प्रेरित करता है। इस क्रिया विधि में आवश्यकता, इच्छा या प्रेरक मिलकर अभिप्रेरण चक्र बनाते है, जो उपलब्धि से

E-ISSN 2584-2447
Impact Factor – SJIF 2024 = 3.621
Year -1 Vol -9 July 2024

सीधे सम्बन्धित होते है। इस आवश्यकता या अभिप्रेरणा का प्रतिपादन मुर्रे (1938) ने किया तथा बताया कि यह व्यक्ति को यांत्रिक रूप से सवेगित करके उसे अपने उद्देश्य प्राप्ति की ओर बढ़ाती है। अभिप्रेरणा हमारे संवेगों से सम्बन्धित होती है, परन्तु उपलब्धि हमारे अंतिम लक्ष्य से। इस प्रकार उपलब्धि अभिप्रेरणा सफलता को प्राप्त करने तथा हमारे जीवन की प्रत्येक आकांक्षाओं को पूर्ण करने पर आधारित होती है।

अध्ययन की आवश्यकता और महत्व

मनुष्य एक सामाजिक प्राणी है। यह समाज के विभिन्न लोगों से अपने संबंध स्थापित करता है। हमारे छात्र देश के भावी नागरिक होते हैं। इनमें सामाजिक, सांवेगिक गुणों का विकसित होना स्वस्थ भावी समाज की और इंगित करता है। यह तब समय हो सकता है. जब उन्हें उचित तथा आवश्यक परिस्थितियाँ प्रदान की जौय। छात्र-छात्राओं की अभिप्रेरणा उन्हें निरंतर आगे बढ़ने को प्रोत्साहित करती है. यदि उनमें इनका अमाय या कमी है तो ये अपने क्षेत्र में प्राय पिछड़ जाते हैं इसलिए इनका अध्ययन प्रासंगिक है। शोधार्थी द्वारा जब इन चरी को लेकर सर्वेक्षण किया गया तो पाया गया कि इन घरों पर आशिक कार्य हुआ है लेकिन उपलब्धि अभिप्रेरणा पर अभी तक कोई विस्तृत कार्य संज्ञान में नहीं आया है। माध्यमिक स्तर के छात्र एवं छात्राओं के लिए इन घरों की उपयुक्ता एवं सर्वेक्षणों से प्राप्त निष्कर्षों से विषय में नवीनता इस अध्ययन के औचित्य को दर्शाता है।

संदर्भित साहित्य का अध्ययन

ममता सिंह एवं डॉ. पतंजलि मिश्र (2021) ने रीवा जिले के माध्यमिक स्तर पर अध्ययनरत छात्र-छात्राओं के मध्य उपलब्धि अभिप्रेरणा का तुलनात्मक अध्ययन विषय पर शोध कार्य किया। उन्होने अपने शोध अध्ययन के सारांश में लिखा है, कि प्रस्तुत शोध पत्र रीवा जिले के माध्यमिक स्तर पर छात्र-छात्राओं के मध्य उपलब्धि अभिप्रेरणा का तुलनात्मक अध्ययन पर आधारित है। इस अध्ययन के द्वारा माध्यमिक स्तर पर छात्र-छात्राओं व शहरी व ग्रामीण क्षेत्र में उपलब्धि अभिप्रेरणा को ज्ञात किया गया है। 300 छात्र व 300 छात्राओं को प्रतिदर्श लिया गया है। प्रस्तुत अध्ययन में छात्र-छात्राओं की उपलब्धि अभिप्रेरणा को मापने हेतु डॉ.

बीना शाह (1986) द्वारा निर्मित उपलब्धि अभिप्रेरणा मापनी का प्रयोग किया गया है। किसी परिस्थिति या विषय विशेष के संदर्भ में अपना कौर्य सबसे अच्छा करने तथा जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में सामान्य लोगों या छात्र-छात्राओं के द्वारा बनाए गए उत्कृष्ट लक्ष्य या उद्देश्य को पूर्ण करने हेतु उपलब्धि अभिप्रेरणा हमें स्वप्रेरित करती है। समंक विश्लेषण हेतु सांख्यिकीय तकनीक का प्रयोग किया गया है। समंक विश्लेषणोंपरान्त शोध क्षेत्र के माध्यमिक स्तर के छात्र-छात्राओं व शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों में उपलब्धि अभिप्रेरणा में सार्थक अन्तर पाया गया है।

डॉ. आरती मिश्रा और श्रीमती संगीता वर्मा (2020) ने "उच्चतर माध्यमिक विद्यालय के विद्यार्थियों की उपलब्धि प्रेरणा के प्रभाव का अध्ययन" विषय पर शोध कार्य किया। उन्होने अपने शोध अध्ययन के सारांश में लिखा है, कि प्रस्तुत लघुशोध का मुख्य उद्देश्य शासकीय एवं अशासकीय विद्यालयों के विद्यार्थियों के उपलब्णि प्रेरणा के प्रभाव का अध्ययन हेतु दुर्ग जिले से जनसंख्या के रूप में तथा न्यादर्श के रूप में 5 शासकीय एवं 5 अशासकीय विद्यालय के 160 विद्यार्थियों का यादृच्छिक रूप से चयन किया गया है। मापन हेतु वी.पी भार्गव द्वारा निर्मित उपलब्धि प्रेरणा उपकरण का प्रयोग किया गया एवं शोध विवेचना हेतु सर्वेक्षण विधि का प्रयोग किया गया तथा परिकल्पनाओं के सत्यापन के लिए टी-मूल्य ज्ञात किया गया। अध्ययन में पाया कि शासकीय एवं अशासकीय विद्यालय के विद्यार्थियों की उपलब्धि प्रेरणा में सार्थक अंतर नहीं पाया गया।

शोध के उद्देश्य

प्रस्तुत अध्ययन के निम्न उद्देश्य निर्धारित किये गये है, जो इस प्रकार से है-

1-उच्चतर माध्यमिक स्तर के छात्रों के व्यक्तित्व पर उपलब्धि अभिप्रेरणा के प्रभाव का अध्ययन करना।

2-उच्चतर माध्यमिक स्तर की छात्राओं के व्यक्तित्व पर उपलब्धि अभिप्रेरणा के प्रभाव का का अध्ययन करना।

3-उच्चतर माध्यमिक स्तर के ग्रामीण और शहरी विद्यार्थियों के व्यक्तित्व शील गुणों पर उपलब्धि अभिप्रेरणा के प्रभावों का तुलनात्मक अध्ययन

शोध की परिकल्पनायें

प्रस्तुत अध्ययन के लिये निम्न परिकल्पनायें निर्धारित की गयी है।

1-उच्चतर माध्यमिक स्तर के छात्रों के व्यक्तित्व पर उपलब्धि अभिप्रेरणा के प्रभाव का सार्थक अंतर नहीं होता है।

2-उच्चतर माध्यमिक स्तर की छात्राओं के व्यक्तित्व पर उपलब्धि अभिप्रेरणा के प्रभाव का सार्थक अंतर नहीं होता है।

3-उच्चतर माध्यमिक स्तर के ग्रामीण क्षेत्रों के विद्यार्थियों की बजाय, शहरी क्षेत्रों के विद्यार्थियों के व्यक्तित्व पर उपलब्धि अभिप्रेरणा के प्रभाव का सार्थक अंतर नहीं होता है।

न्यादर्श का चयन और सीमांकन

तालिका क्रमांक-1.1

जबलपुर जिले के उच्चतर माध्यमिक स्तर से स्कूल			
शहरी क्षेत्र के स्कूल		ग्रामीण क्षेत्र के स्कूल	
छात्र संख्या	छात्राओं की संख्या	छात्र संख्या	छात्राओं की संख्या
100	100	100	100

उपरोक्त तालिकानुसार अध्ययन के लिये उच्चतर माध्यमिक स्तर के कुल 400 उत्तरदाताओं का चयन किया गया है।

शोध का सीमांकन

प्रस्तुत अध्ययन के लिये निम्न सीमाओं का निर्धारण किया गया है।

1-अध्ययन जबलपुर जिले के शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में किया गया है।

2-अध्ययन उच्चतर माध्यमिक स्तर के लिये विद्यार्थियों के बीच में किया गया है।

3-अध्ययन के लिये सिर्फ शासकीय स्कूलों के उच्चतर माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों के बीच में किया गया है।

शोध उपकरण

प्रस्तुत अध्ययन के लिये विद्यार्थियों के व्यक्तित्व का अध्ययन और उपलब्धि अभिप्रेरणा का अध्ययन करने के लिये अलग-अलग विषय विशेषज्ञों की मापनी का प्रयोग किया गया है। जिसमें

तालिका क्रमांक-1.2

व्यक्तित्व के अध्ययन के लिये मापनी	डॉ महेश भार्गव
उपलब्धि अभिप्रेरणा के अध्ययन के लिये मापनी	डॉ बी.पी. भार्गव

इस मापनी के द्वारा संकलित किये गये प्राथमिक ऑकड़ों की वर्गीकरण, सारणीयन कर उनका विश्लेषण किया गया है। विश्लेषण के साथ ही परिकल्पनाओं के परीक्षण के लिये सांख्यकीय परीक्षण विधियों में माध्य, मध्यमान प्रामाणिक विचलवन, S.D., 'P' Test आदि प्रयोग किये गये है।

शोध प्रविधि

प्रस्तुत अध्ययन के लिये सर्वेक्षण विवरणात्मक शोध प्रविधि का अध्ययन किया गया है। अध्ययन के दौरान प्राथमिक और द्वितीयक ऑकड़ों दोनों को संकलित किया गया है। प्राथमिक ऑकड़ों का संकलन के लिये चयनित अध्ययन क्षेत्र से न्यादर्श का चयन कर विषय विशेषज्ञों की मापनी का प्रयोग कर किया गया है। इसके अलावा द्वितीयक ऑकड़ों का संकलन पूर्व साहित्य के अध्ययन, प्रकाशित शोध पत्र, पुस्तकों आदि के माध्यम से किया गया है।

अध्ययन क्षेत्र

प्रस्तुत अध्ययन के लिये मध्यप्रदेश के जबलपुर जिले का चयन प्रशासकीय इकाई के रूप में किया गया है। अध्ययन के लिये जबलपुर जिले के शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में संचालित

शोध साहित्य SHODH SAHITYA
INTERNATIONAL PEER REVIEWED E-RESEARCH JOURNAL
(समसामयिक विषयों पर केंद्रित बहुविषयक मासिक ई-शोध पत्रिका)
E-ISSN 2584-2447
Impact Factor – SJIF 2024 = 3.621

Year -1
Vol -9
July
2024

उच्चतर माध्यमिक स्कूलों से 600 विद्यार्थियों का चयन किया गया है। जिसमें शहरी क्षेत्र के 300 विद्यार्थियों जिसमें 150 छात्र और 150 छात्रायें है। इसके अलावा ग्रामीण क्षेत्र के 300 विद्यार्थियों में से 150 छात्र और 150 छात्राओं का चयन यादिच्छक विधि से किया गया है।

परिणाम और विश्लेषण

व्यक्तित्व शील गुणों पर उपलब्धि अभिप्रेणा के प्रभाव का तुलनात्मक अध्ययन

तालिका क्रमांक-1.3

समूह	**उपलब्धि अभिप्रेरणा**	**संख्या**	**मध्यमान**	**मानक विचलन**	**क्रांतिक अनुपात**	**पी-मान**
छात्र	उच्च	101	13.06	3.39	2.81	0.01
	निम्न	141	11.79	3.58		
छात्रायें	उच्च	78	11.41	3.42	0.90	0.05
	निम्न	169	11.41	3.67		
विद्यार्थी	उच्च	179	12.34	3.49	2.29	0.85
	निम्न	310	11.58	3.63		

स्वंतंत्रता के अंश-240/245/487

0.05 स्तर पर सार्थकता हेतु मान-1.97, 1.97, 1.97

0.01 स्तर पर सार्थकता हेतु मान-2.60/2.60/2.59

उपरोक्त तालिका से स्पष्ट है, कि छात्रों, छात्राओं और कुल विद्यार्थियों के लिये क्रांतिक अनुपातों के मान क्रमशः 2.81 एंव 2.29 है, जो क्रंमशः 0.01 एवं 0.05 स्तर पर सार्थक है। उच्च उपलब्धि अभिप्रेरणा समूहों को व्यक्तित्व शीलगुणों में प्राप्तांक अधिक है। छात्राओं के लिये क्रांतिक अनुपात का मान 0.30 है, जो सार्थक नहीं है।

अतः निष्कर्ष स्वरूप कहा जा सकता है, कि छात्र, छात्राओं और विद्यार्थियों के व्यक्तित्व शीलगुण पर उपलब्धि अभिप्रेरणा का सार्थक प्रभाव पड़ता है, जबकि छात्राओं पर सार्थक प्रभाव नहीं है।

शोध साहित्य SHODH SAHITYA
INTERNATIONAL PEER REVIEWED E-RESEARCH JOURNAL
(समसामयिक विषयों पर केंद्रित बहुविषयक मासिक ई-शोध पत्रिका)
E-ISSN 2584-2447
Impact Factor – SJIF 2024 = 3.621
Year -1 Vol -9 July 2024

शहरी और ग्रामीण क्षेत्र के उच्चतर माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों के व्यक्तित्व शीलगुणों पर उपलब्धि अभिप्रेरणा के प्रभाव संबंधी तुलनात्मक अध्ययन

तालिका क्रमांक-1.4

स्कूल का क्षेत्र	उपलब्धि अभिप्रेरणा	संख्या	मध्ममान	मानक विचलन	क्रांतिक अनुपात	पी-मान
शहरी	उच्च	52	13.33	3.79	2.81	0.01
	निम्न	70	11.07	3.38		
ग्रामीण	उच्च	49	12.78	2.92	0.90	0.05
	निम्न	71	12.49	3.65		

प्रसरण विश्लेषण की तालिका

तालिका क्रमांक-1.5

प्रसरण के स्रोत	स्वतंत्रता के अंश	वर्गो का योग	मध्यमान वर्ग	क्रांतिक अनुपात	पी-मान
समूहों के बीच	3	174.14	58.05	4.82	0.01
समूहों के मध्य	238	2868.36	12.05		

स्वतंत्रता के अंश-3/238

0.05 स्तर पर न्यूनतम मान-2.65

0.01 स्तर का न्यूनतम मान-3.88

उपरोक्त तालिका में शहरी और ग्रामीण क्षेत्र के विद्यार्थियों में व्यक्तित्व शीलगुणों पर उपलब्धि अभिप्रेरणा के प्रभाव संबंधी परिणामों से स्पष्ट होता है, कि व्यक्तित्व शीलगुणों पर रहवास की प्रकृति (शहरी और ग्रामीण) पर उपलब्धि अभिप्रेरणा का सार्थक प्रभाव पड़ता है। तालिका में प्राप्त क्रांतिक अनुपात का 4.82 है, जो 0.05 स्तर पर सार्थकता के लिये न्यूनतम मान 2.65 की अपेक्षा अधिक है। शहरी क्षेत्र की उच्च उपलब्धि अभिप्रेरणा वाले छात्रों में यह गुण सबसे अधिक है, जबकि ग्रामीण क्षेत्र की निम्न उपलब्धि अभिप्रेरणा वाले छात्रों में यह सबसे कम है।

अतः निष्कर्ष स्वरूप कहा जा सकता है, कि विद्यार्थियों के व्यक्तित्व शीलगुणों पर रहवास की प्रकृति एंव उपलब्धि अभिप्रेरणा का सार्थक प्रभाव पड़ता है।

शोध के निष्कर्ष

प्रस्तुत शोध अध्ययन से प्राप्त निष्कर्ष इस प्रकार से है-

1-छात्रों एवं विद्यार्थियों के व्यक्तित्व शीलगुणों पर उपलब्धि अभिप्रेरणा का सार्थक प्रभाव पड़ता है। इन समूहों के लिये क्रांतिक अनुपातों के नाम क्रमशः 2.81 और 2.29 है, जो 0.01 और 0.05 सार्थकता स्तर से अधिक है। उच्च उपलब्धि अभिप्रेरणा समूहों के मध्यमान, निम्न उपलब्धि अभिप्रेरणा समूहों की अपेक्षा अधिक है।

2-रहवास की प्रकृति (शहरी और ग्रामीण) क्षेत्र के छात्रों के व्यक्तित्व शीलगुणों पर उपलब्धि अभिप्रेरणा का सार्थक प्रभाव पड़ता है। अध्ययन के दौरान प्राप्त क्रांतिक अनुपात 4.82 है, जो 0.01 सार्थकता स्तर पर सार्थक है। शहरी क्षेत्र के उच्च उपलब्धि अभिप्रेरणा समूह में यह शीलगुण सबसे अधिक और ग्रामीण क्षेत्र के निम्न उपलब्धि उपलब्धि अभिप्रेरणा समूह में सबसे कम है।

अध्ययन की शैक्षिक उपयोगिता

शोधार्थी से प्रस्तुत शोध अध्ययन के दौरान पाया कि व्यक्तित्व शीलगुणों पर उनकी उपलब्धि अभिप्रेरणा का प्रभाव लिंग, रहवास की प्रकृति (शहरी और ग्रामीण) स्तर पर भिन्न-भिन्न सकारात्मक प्रभाव प्रदर्शित किया है, जिससे शहरी क्षेत्रों में छात्रों के व्यक्तित्व शीलगुणों पर उनकी उपलब्धि अभिप्रेरणा का सार्थक प्रभाव दर्शाता है। इसका मूल कारण यह है, कि शहरी क्षेत्रों में शिक्षा के भिन्न-भिन्न साधन आसानी से उपलब्ध होते है, जिसका लाभ शहरी क्षेत्रों के विद्यार्थियों को मिल जाता है। आधुनिक दौर में डिजिटल तकनीक का लगभग सभी विद्यार्थी उपयोग कर रहे है। जिसका उनको लाभ भी मिल रहा है। विद्यार्थियों के आत्मविश्वास में वृद्धि हो रही है। जिसके कारण विद्यार्थी सफल भी हो रहे है। इसके अलावा विद्यार्थियों को कुशल मार्गदर्शन भी प्राप्त हो रहा है। यही वजह है, कि शहरी क्षेत्रों के विद्यार्थियों में उपलब्धि अभिप्रेरणा का सार्थक प्रभाव देखा जा रहा है। वही ग्रामीण क्षेत्रों के विद्यार्थियों को यह सुविधा

नहीं मिल पाती है, जिसके कारण उनकी उपलब्धि अभिप्रेरणा पर नकारात्मक प्रभाव देखा जा सकता है।

संदर्भ ग्रंथ सूची

1. आहलूवालिया आई, उपलब्धि अभिप्रेरणा पर लिग, आयु जन्म क्रम आर्थिक स्तर, पालकों की शिक्षा आदि तत्यों के प्रभाव का अध्ययन, फोर्थ सर्वे ऑफ रिसर्च इन एजूकेशन, 1985, 1-48
2. देसवाल, याई एवं रानी, आर. अभिभावक युक्त किशोरों एवं अनाथ किशोरों की उपलब्धि अभिप्रेरणा पर अध्ययन जर्नल एजुकेशन एण्ड साइकोलॉजीकल रिसर्च, 2012, 2(1), 69-73
3. बब्बर, एस. उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों के विद्यार्थियों के नियंत्रण अवस्थान का उनकी उपलब्धि अभिप्रेरण पर प्रभाव का अध्ययन शोध संप्रेषण जुलाई-सितम्बर 2014 अंक 9. 133-139
4. अंसारी एम.एम. डिटरमाइनेट्स ऑफ कोस्ट्स इन डिस्टेंस एजुकेशन, इन कौल, बी. एन. सिंह, बी एवं अंसारी एमएम स्टडीज इन डिस्टेंस एजुकेशन, नई दिल्ली, ए.आई यू एय
5. निगम् बी के तथा शर्मा, एस आर भारतीय शिक्षा का इतिहास एवं समस्याये (प्रथम सस्करण) कनिष्ठ प्रकाशन, नई दिल्ली 1993
6. पाण्डेय, जितेन्द्र कुमार भारत में आधुनिक शिक्षा का प्रसार दशा और दिशा, कुरुक्षेत्र मासिक पत्रिका, ग्रामीण विकास मंत्रालय, भारत सरकार नई दिल्ली, 2007 वर्ष 53. अंक 11. पू 7-9
7. पाठक, पी डी भारतीय शिक्षा और उसकी समस्याये इक्कीसवीं संस्करण विनोद पुस्तक मन्दिर, आगरा 2007
8. मिश्रा, ए. उच्चतर माध्यमिक विद्यालय के विद्यार्थियों की उपलब्धि अभिप्रेरणा पर शालेय वातावरण का प्रभाव शोध संप्रेषण, 2013, अंक 7. पृष्ठ 57-59